उपेक्षा

बैगा बाहुल्य क्षेत्र के लिए पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा, लेकिन विकास से कोसों दूर

बैगान टोला की बैगा जनजाति दूषित पानी पीने मजबूर

अमरपुर नवभारत 9 फरवरी। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा बैगा बाहुल्य क्षेत्र के लिए पानी की तरह पैसा बहाकर वर्तमान समय में जन मन योजना प्रारंभ किया गया हैं। परन्तु जमीनी हकीकत में आज भी बैगा ग्राम विकास से कोसों दूर दिखाई दे रही है।

ताजा मामला जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत परसेल का प्रकाश में आया हैं। जहां की पोषक ग्राम पिड़रूखी के बैगान टोला में बैगा जनजाति के लगभग आधा सैकड़ा परिवार निवासरत हैं। जहां पर वर्तमान समय में पूरा मोहल्ला मूलभूत सुविधाओं से पूरी तरह से वंचित हैं। यहां पर ग्रामीणों के आवागवन के लिए सड़क तक नहीं हैं।

बारिश के मौसम में आवागमन में होती है दिक्कत

इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि खुले मौसम में हम लोग जैसे तैसे आवागमन तो कर लेते हैं, परंतु बरसात के मौसम में महिलाओं को प्रसव पीड़ा या फिर गंभीर बीमारी की स्थिति में मुख्य मार्ग तक पहुंचाने का एक मात्र डोली ही सहारा रह जाता हैं। मुख्य मार्ग तक पहुंचने बैगा टोला से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी तय करना पड़ती हैं तब जाकर कहीं साधन उपलब्ध हो पाता हैं। ऐसी स्थिति में कभी भी अनहोनी घटना घट जाती हैं।

पेयजल की गंभीर समस्या

गांव में जल जीवन मिशन संचालित होने के बावजूद भी गांव के बैगा जनजातीय इस योजना से आज भी वंचित हैं। लोक स्वास्थ्य यंत्राकीय विभाग द्वारा एक नल जल कूप खनन कर मोटर से जल वितरण किया जा रहा था, परंतु वर्षों से वह भी बंद पड़ा हुआ हैं। जिस मोटर का विद्युत के तार निकालकर एक खंभे में लपेट दिया गया हैं।

प्राथमिक शाला भी हो गई बंद

इस संबंध में विभाग के अनुविभागीय अधिकारी श्रीकांत गुप्ता का कहना हैं कि बैगाओं के सात आठ परिवारों की परेशानी देखते हुए मोटर लगा दी गई थी। इस संबंध में पंचायत से जानकारी लेता हूं, फिर पीने के पानी की व्यवस्था बनाई जाएगी। इसके साथ ही इस मोहल्ले में एक प्राथमिक शाला संचालित होती रही, लेकिन भवन क्षतिग्रस्त होने से शाला बंद पड़ी हुई हैं, जिससे जनजातीय समूह के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने से वंचित हो रहे हैं।

> **इनका कहना है**
>
> पूरे ब्लॉक में अव्यवस्था हैं। जल जीवन मिशन पूरी तरह से फेल साबित होता दिख रहा हैं। कांग्रेस पार्टी ज्ञापन सौंपकर शासन के विरुद्ध प्रदर्शन भी करेगी।
>
> **महेंद्र ठाकुर, अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमरपुर**
>
> मैं स्वयं देख कर अगले दिन व्यवस्था बनवाता हूं।
>
> **प्रहलाद मरकाम, सचिव ग्राम पंचायत परसेल**

करंजिया में अवैध शराब का कारोबार बेखौफ जारी

नशा मुक्ति अभियानों की जमीनी हकीकत पर सवाल, पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर संदेह

करंजिया, नवभारत 9 फरवरी। करंजिया विकासखंड अंतर्गत अवैध शराब की बिक्री थमने का नाम नहीं ले रही है। ग्रामीण व कस्बाई इलाकों में खुलेआम चल रहे इस अवैध कारोबार ने सरकार के नशा मुक्ति अभियानों और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, प्रतिदिन सुबह करीब 7 बजे बिना नंबर प्लेट की मोटरसाईकिलों पर सवार युवक बड़े कार्टूनों में भरकर अवैध शराब विभिन्न गांवों में पहुंचाते हैं। यह कारोबार इतने बेखौफ तरीके से संचालित हो रहा है कि मानो कानून का कोई डर ही न हो। हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ पुलिस की नाक के नीचे हो रहा है, बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।

कुछ इस तरह से हो रहा कारोबार

ग्रामीणों का कहना है कि यह नेटवर्क पूरी तरह सुनियोजित है। सप्लाई के लिए सुबह और रात लगभग 10 बजे का समय चुना जाता है, जब पुलिस गश्त अपेक्षाकृत कम रहती है। बिना नंबर की बाइक, सीमित लोग और तय रूट—यह सब शराब माफियाओं की सुनियोजित रणनीति की ओर इशारा करता है। ब्लॉक के कई गांवों में अवैध शराब अब एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुकी है। नशे के कारण घरेलू हिंसा, आपसी विवाद, आर्थिक तंगी और युवाओं के भविष्य पर गहरा असर पड़ रहा है। ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि शराब की लत से घर-परिवार की स्थिति बिगड़ रही है और बच्चों की पढ़ाई तक प्रभावित हो रही है।

अभियान बने औपचारिकता

राज्य सरकार द्वारा नशा मुक्ति के लिए पोस्टर, रैलियां, शपथ कार्यक्रम और जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन प्रयासों के विपरीत नजर आती है। यदि अभियान वास्तव में प्रभावी होते, तो अवैध शराब का कारोबार इस स्तर तक नहीं पहुंचता। उल्लेखनीय है कि क्षेत्रीय विधायक द्वारा समय-समय पर नशा मुक्ति को लेकर लोगों को जागरूक किया जाता रहा है। उनके संदेश सराहनीय हैं, लेकिन करंजिया ब्लॉक की स्थिति यह दर्शाती है कि प्रशासनिक स्तर पर इन प्रयासों को पर्याप्त मजबूती नहीं मिल पा रही है।

निरंतर सख्त कार्रवाई की दरकार

अब जरूरत केवल अभियानों की नहीं, बल्कि सख्त और निरंतर कार्रवाई की है। बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर निगरानी, नियमित गश्त, गुप्त सूचना तंत्र को मजबूत करना और दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई अनिवार्य है। साथ ही यदि किसी स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत सामने आती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच भी होनी चाहिए।

शैक्षणिक व कैरियर विकल्पों की दी जानकारी

बिदाई समारोह व कैरियर गाइडेंस शिविर आयोजित

शहपुरा नवभारत 9 फरवरी। शहपुरा तहसील अंतर्गत पीएम श्री शासकीय हाईस्कूल बिलगांव में विदाई समारोह एवं कैरियर गाइडेंस शिविर का भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों ने कक्षा दसवीं के छात्र-छात्राओं को भावभीनी और गरिमामय विदाई दी। कार्यक्रम में भावनात्मक वातावरण के साथ विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। विदाई समारोह के दौरान नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने स्वागत भाषण, शुभकामनाओं और प्रेरक संदेशों के माध्यम से अपने वरिष्ठ साथियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने विद्यालय में बिताए अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों और मित्रों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में आयोजित कैरियर गाइडेंस शिविर में विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक और कैरियर विकल्पों की जानकारी दी गई।

मीडिया से जुड़े पाठ्यक्रम की दी जानकारी-डिण्डौरी जिले के वरिष्ठ पत्रकार भीमशंकर साहू ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि, भोपाल में उपलब्ध पत्रकारिता, जनसंपर्क, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया से जुड़े पाठ्यक्रमों की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य कन्हैयालाल साहू सहित समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। आयोजन को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी और उपयोगी बताया गया।

चिल्हारी नवभारत 9 फरवरी। जिले के मानपुर थाना क्षेत्र में ताला-मानपुर स्टेट हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसे में युवक की जान चली गई। ग्राम धमोखर के पास स्थित पुलिया के समीप तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पहले पेड़ से टकराई और फिर पुलिया के नीचे जा गिरी। हादसा इतना गंभीर था कि बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

तेज रफ्तार बाइक पुलिया के नीचे गिरी, युवक ने गंवाई जान

ताला-मानपुर स्टेट हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, पहले बाइक पेड़ से टकराई

ताला चौकी प्रभारी अमर सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान मनीष सिंह के रूप में हुई है। वह ग्राम जगुआ करेला, जिला कटनी का निवासी था और मानपुर में रहकर जियो कंपनी में कार्य करता था। बताया गया कि मनीष अपनी बाइक से नौरोजाबाद की ओर जा रहा था। जैसे ही वह धमोखर के पास पुलिया के समीप पहुंचा, बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई।

तुरंत घटना की जानकारी नहीं मिल सकी

संतुलन बिगड़ने से बाइक सड़क किनारे लगे पेड़ से टकराई और इसके बाद सीधे पुलिया के नीचे जा गिरी। हादसे के समय मार्ग पर आवाजाही कम होने के कारण किसी को तुरंत घटना की जानकारी नहीं मिल सकी। कुछ समय बाद राहगीरों की नजर पुलिया के नीचे पड़ी क्षतिग्रस्त बाइक और शव पर पड़ी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही ताला चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

पुलिस पंचनामा तैयार कर जांच में जुटी

पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना की सूचना मृतक के परिजनों को भी दी गई, जिसके बाद परिवार में शोक का माहौल बन गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। युवक की असमय मौत से गांव और कार्यस्थल दोनों जगह शोक व्याप्त है। प्राथमिक जांच में हादसे का कारण बाइक का अनियंत्रित होना माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

इस मार्ग पर पहले भी कई हादसे हो चुके

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। पुलिया के आसपास पर्याप्त संकेतक और सुरक्षा इंतजाम नहीं होने से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के उपाय मजबूत करने और चेतावनी संकेत लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

जीव और ब्रह्मा की एकता का नाम ही रास है : कृपालु महाराज

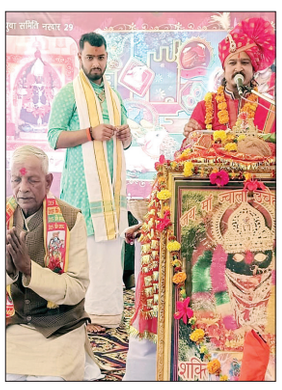

रुक्मणी विवाह व उद्धव संवाद सुनकर भाव विभोर हुए श्रद्धालु, कथा में सम्मिलित हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री व पूर्व सांसद ज्ञान सिंह

उमरिया नवभारत 9 फरवरी। जिले के अंतर्गत ग्राम नरवार 29 में सार्वजनिक नवयुवक समिति द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण में 8 फरवरी सोमवार को कथा के छठवें दिवस व्यास पीठ पर आसीन पंडित कृपालु महाराज द्वारा श्रीकृष्ण विवाह उत्सव, उद्धव चरित्र, रासलीला, उद्धव गोपी संवाद, रुक्मणी चरित्र, प्रसंग का व्याख्यान किया गया।

उन्होंने कहा कि जीव और ब्रह्मा की एकता का नाम ही रास है। यह जीव ब्रह्म के साथ दिव्य मिलन का महोत्सव है। रुक्मणी जीव है। और श्री कृष्ण ब्रह्म दोनों का मिलन रुक्मणी मंगल है। सोमवार को कथा में सम्मिलित होकर पूर्व सांसद ज्ञान सिंह ने कथा श्रवण कर रसास्वादन किया और अपने जीवन को कृतार्थ किया। इसके अलावां पूर्व मंडल अध्यक्ष हरिहर सिंह एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह उत्सव मनाया गया

भागवत कथा के छठवें दिन धूमधाम से श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह उत्सव मनाया। इस दौरान कथावाचक पंडित कृपालु महाराज ने कहा कि यह कोई साधारण विवाह नहीं था, बल्कि परमात्मा का विवाह है था। परमात्मा प्रेम से मिलते हैं। रुक्मणी मन ही मन परमात्मा के श्री चरणों से प्रेम करती थी, लेकिन रुक्मणी का बड़ा भाई रुक्मणी का विवाह शिशुपाल के साथ करना चाहता था।

रुक्मणी साक्षात लक्ष्मी का अवतार थीं

रुक्मणी कोई साधारण स्त्री नहीं, वह साक्षात लक्ष्मी का अवतार थीं, और जब रुक्मणी ने देखा कि भाई है पूर्वक विवाह शीशुपाल के साथ करना चाहता है, जिससे मेरे पिता की इच्छा नहीं है, तो रुक्मणी ने एक ब्राह्मण के माध्यम से परमात्मा श्री कृष्ण के पास इस संदेश को भेजा। इस संदेश में रुक्मणी ने कहा कि परमात्मा मैं जन्म-जन्मांतर से आपके चरणों की दासी हूं। आप मुझ पर कृपा कर मुझे अपने चरणों में आश्रय देने की कृपा करें।

ब्राह्मण ने पहुंचाया श्रीकृष्ण तक रुक्मणी का संदेश

जब यह संदेश परमात्मा श्री कृष्ण को प्राप्त हुआ, तो उन्होंने ब्राह्मण को सम्मानपूर्वक विदा कर स्वयं पीछे से कुंडलपुर के लिए रवाना हो गए। इधर रुक्मणी मन में विचार करती हैं कि वह ब्राह्मण परमात्मा के पास मेरा संदेश लेकर पहुंचा अथवा नहीं, तभी उन्होंने देखा कि जिस ब्राह्मण को उन्होंने द्वारिका भेजा था वह ब्राह्मण लौट कर आ गया। रुक्मणी के पूछने पर उसने बताया परमात्मा श्रीकृष्ण ने आपका संदेश सुन लिया है और वह कुंडलपुर आ रहे हैं।

पंच गीत भागवत के पंच प्राण है

कुछ ही समय के बाद श्री कृष्ण कुंडलपुर आते हैं। रुक्मणी के पिता भीष्मक को यह बात पता चलती है तो उनकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहता है। वे बड़े प्रसन्न होते हैं। संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन महारास प्रसंग एवं उद्धव संवाद व रुक्मणी विवाह के प्रसंग का सुन्दर वर्णन किया। इस अवसर पर कथा व्यास महराज ने रास पंच अध्याय का वर्णन करते हुए कहा कि महारास में पांच अध्याय हैं। उनमें गाये जाने वाले पंच गीत भागवत के पंच प्राण है।

चांदपुर में 10वीं के छात्रों को दी गई बिदाई

अमरपुर नवभारत 9 फरवरी। जनपद शिक्षा केन्द्र अमरपुर अंर्तगत शासकीय हाई स्कूल चांदपुर परिसर में कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण व पूजन अर्चन कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के सभी शिक्षकों ने 10वीं के समस्त छात्रों को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपने विद्यालय, माता-पिता, गांव एवं जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए- बिदाई समारोह के अंत में 10वीं के छात्रों द्वारा भी विद्यालय के अनुभव को अपने जूनियर छात्रों एवं शिक्षकों से साझा किया गया। समारोह के दौरान प्राचार्य केदार सिंह सांडया, वरिष्ठ शिक्षक जीआर हरदहा, वरिष्ठ शिक्षिका एच वाष्णे, व्हीके बर्मन, केके धुर्वे, एस नागेश्वर सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

आदिवासी युवक सतपाल सत्या की डॉक्यूमेंट्री ने रचा इतिहास

भोपाल फिल्म फेस्टिवल के फाइनल शो के लिये किया गया चयन, आदिवासी लोक-संस्कृति के लिए गर्व का विषय

डिंडोरी, नवभारत 9 फरवरी। जिले के सुदूर आदिवासी अंचल के छोटे से गांव चिचरिंगपुर से निकलकर सतपाल सत्या परधान ने वह मुकाम हासिल किया है, जो आज लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है। एक साधारण मजदूर मां के बेटे सत्या परधान की पहली डॉक्यूमेंट्री फिल्म ओगुडुम-ए फोक डुम का चयन प्रतिष्ठित द भोपाल फिल्म फेस्टिवल के फाइनल शो के लिए किया गया है। यह उपलब्धि केवल सत्या परधान की व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे डिंडोरी ज़िले और उसकी समृद्ध आदिवासी लोक-संस्कृति के लिए गर्व का विषय मानी जा रही है।

सीमित संसाधनों में भी बड़े सपनों की उड़ान

ग्राम चिचरिंगपुर जैसे क्षेत्र में, जहां आज भी नेटवर्क, तकनीकी संसाधनों और आधुनिक सुविधाओं की भारी कमी है, वहां रहकर फिल्म निर्माण जैसे क्षेत्र में कदम रखना आसान नहीं था।

बावजूद इसके, सत्या परधान ने विपरीत परिस्थितियों को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया और उन्हें अपनी ताकत में बदलते हुए निरंतर संघर्ष किया।

सोशल मीडिया से सिनेमा तक का सफर

सत्या परधान ने सोशल मीडिया को अपनी आवाज़ बनाया। इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से वे डिंडोरी जिले की लोक संस्कृति, परंपराएं, जीवनशैली और अनसुनी कहानियों को रील्स व शॉर्ट फिल्मों के ज़रिए लोगों तक पहुंचाते रहे। यही सतत प्रयास आगे चलकर डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माण का आधार बना।

लोक वाद्य 'गुडुम' के जरिए आदिवासी पहचान की कहानी

उनकी चयनित डॉक्यूमेंट्री ओगुडुम-ए फोक डुम आदिवासी अंचल की पारंपरिक लोक वाद्य संस्कृति पर केंद्रित है। यह फिल्म केवल संगीत या कला तक सीमित नहीं, बल्कि उस समाज के संघर्ष, पहचान और आत्मसम्मान की सशक्त अभिव्यक्ति भी करती है।

यह तो बस शुरुआत है : सत्या

सत्या परधान का कहना है कि यह उपलब्धि उनके सफर की शुरुआत मात्र है। वे भविष्य में एक सशक्त फिल्मकार बनकर अपनी मिट्टी, संस्कृति और कहानियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले जाना चाहते हैं। उनका सपना है कि उनकी सफलता उनके माता-पिता, गांव और पूरे डिंडोरी ज़िले का नाम रोशन करे।

आक्रोश

कलेक्टर कार्यालय में सौंपा ज्ञापन, शासन के सेवा नियमों की खुली अवहेलना की जा रही, न्याय नहीं मिला तो दी आंदोलन की चेतावनी

जिला अस्पताल कर्मचारियों के निलंबन पर भड़का कर्मचारी संघ

डिण्डौरी, नवभारत 9 फरवरी। जिला चिकित्सालय डिण्डौरी के स्वास्थ्य कर्मचारियों के विरुद्ध की गई निलंबन कार्यवाही को लेकर म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ डिण्डौरी ने तीखा विरोध दर्ज कराया है। सोमवार को संघ ने कलेक्टर डिण्डौरी को ज्ञापन सौंपते हुए कार्यवाही को एकतरफा, नियमविरुद्ध और मनोबल तोड़ने वाली बताते हुए बिना शास्ति के तत्काल निरस्त करने की मांग की है।

संघ ने आरोप लगाया कि मानव जीवन से जुड़े अत्यंत संवेदनशील स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी सीमित संसाधनों में भी दिन-रात सेवा दे रहे हैं, इसके बावजूद बिना जांच और बिना कारण बताओ नोटिस सीधे निलंबन जैसी कठोर कार्यवाही करना कर्मचारियों के सम्मान और अधिकारों पर सीधा प्रहार है।

कार्यवाही पर उठाये सवाल

कर्मचारी संघ ने बताया कि 5 फरवरी को गंभीर रूप से बीमार मरीज रवीन्द्र मरावी को चिकित्सकीय स्थिति को देखते हुए जबलपुर रेफर किया गया था, लेकिन रास्ते में उनकी मृत्यु हो गई। संघ का कहना है कि इस दुखद घटना की निष्पक्ष जांच किए बिना ही जिम्मेदारी तय कर दो महिला कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाया गया। संघ के अनुसार 6 फरवरी को जारी आदेश के तहत फार्मासिस्ट विमला द्विवेदी और नर्सिंग ऑफिसर जयमति नंदेहा को निलंबित किया गया, जो म.प्र. शासन के सेवा नियमों की खुली अवहेलना है और पूरी तरह अन्यायपूर्ण है।

जिले के स्वास्थ्य अमले में भारी आक्रोश

कर्मचारी संघ ने चेताया कि इस प्रकार की दंडात्मक कार्यवाही से पूरे जिले के स्वास्थ्य अमले में भारी आक्रोश है। यदि समय रहते न्याय नहीं किया गया तो कर्मचारी मानसिक दबाव में काम करने को मजबूर होंगे, जिसका सीधा असर मरीजों को मिलने वाली चिकित्सा सेवाओं पर पड़ेगा। अंत में संघ ने दो टूक चेतावनी दी कि यदि निलंबन आदेश तत्काल वापस नहीं लिया गया और कर्मचारियों को बहाल नहीं किया गया, तो राज्य कर्मचारी संघ डिण्डौरी आंदोलनात्मक रास्ता अपनाने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

> **इनका कहना है**
>
> स्वास्थ्य विभाग से एक फार्मासिस्ट और नर्सिंग ऑफिसर को बगैर किसी जांच और नोटिस के तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। समस्त स्टॉफ, पैरामेडिकल स्टाफ इसका विरोध करते हुए कलेक्टर से मिलने आए है। उनसे मांग की कि दोनों को तत्काल बहाल किया जाए अन्यथा स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन- प्रशासन की होगी।
>
> **राजकुमार साहू, संरक्षक, मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ**
>
> हमारे यहां से सिलेंडर वार्डों और स्वास्थ संस्थाओं को आवश्यकतानुसार दिए जाते हैं। यह मेरे द्वारा 30 और 31 जनवरी को कैजुअल्टी डिपार्टमेंट में दिए गए थे। मृतक के परिजनों द्वारा मेरे पास न लिखित, न मौखिक और न ही कैजुअल्टी द्वारा कोई मांग की गई। मेरा कार्यक्षेत्र औषधि व सामग्री उपलब्ध कराना एवं उपलब्धता बनाए रखना है। मेरी तरफ से ऑक्सीजन सिलेंडर की कोई कमी नहीं थी, परन्तु मामले की जांच किए बगैर ही हम लोगों के साथ इस तरह कार्यवाही उचित नहीं है, जिससे हम बेहद आहत है। आधा-अधूरा सिलेंडर देने जैसी समस्या तो आज तक कभी सामने आई नहीं, यदि कोई मरीज रेफर होता तो हमारे यहां अल्मोटेंक लगा हुआ है, पीएसए प्लांट लगा है, कंस्ट्रक्टरेटर है, जहां ऑक्सीजन जैसी सारी चीजें उपलब्ध है।
>
> **विमला द्विवेदी, फार्मासिस्ट, जिला अस्पताल डिंडोरी**